IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, September 2022
Impact Factor: 6.252

रीवा जिला (म.प्र.) की रायपुर कर्चुलियान ग्राम पंचायत की पोषाहार उपलब्धता का स्वरूप : एक भौगोलिक अध्ययन

सोनम साकेत[1] and डॉ. सुशीला द्विवेदी[2]

शोध छात्रा भूगोल, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय , रीवा (म.प्र.)[1]

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष भूगोल, शासकीय महाविद्यालय रायपुर कर्चुलियान, रीवा (म.प्र.)[2]

सारांशः–

मानवीय स्वास्थ्य एवं उसके शारीरिक संरचना एवं विकास के लिये संतुलित पोषाहार की आवश्यकता होती है। क्षेत्रीय भिन्नताओं के अनुसार पोषाहार उपलब्धता की प्रकृति में अन्तर पाया जाता है। किसी भी क्षेत्र में पोषाहार से सम्बन्धित पदार्थ एक स्थान पर उपलब्ध नहीं होते जिनकी आपूर्ति आयात द्वारा की जाती है, जो उस प्रदेश की जनसंख्या के आर्थिक स्तर द्वारा तय हो पाती है। प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की भाँति रीवा जिला के रायपुर कर्चुलियान ग्राम पंचायत में पोषाहार की स्थानीय उपलब्धता में खाद्यान, देशज फल (आम) साग, भाजी एवं पशु पदार्थ प्रमुख है। खाद्यानों में गेहूँ, चना एवं तिलहन का वार्षिक उत्पादन किया जाता है, जब कि फलों के उत्पादन में अनिश्चितता बनी रहती है, जो प्रतिवेदित ग्राम पंचायत के संतुलित पोषाहार उपलब्धता स्थानिक स्तर पर कम है, फलतः इस ग्राम पंचायत की जनसंख्या में कुपोषण स्वाभाविक है। प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र में पोषाहार उपलब्धता के वर्तमान स्वरूप से संबंधित है।

मूल शब्दः 1. पोषण, 2. उपलब्धता, 3. कृषि उपज, 4. स्वास्थ्य।

संदर्भ स्रोतः

[1].सिंघई, जी.सी.–चिकित्सा भूगोल, दाउदपुर गोरखपुर 1993 पृ. 246–256

[2].धरातल पत्रक क्र. 63 एच. सर्वे ऑफ इण्डिया देहरादून 1992

[3].जिला जनगणना पुस्तिका रीवा 2011

[4].क्षेत्रीय सर्वेक्षण वर्ष 2021 जून

[5].क्षेत्रीय सर्वेक्षण वर्ष 2021 जून